विशेषज्ञ दल का गठन किया है। इस दल ने अपनी सिफारिशें 1992 के मध्य में प्रस्तुत की थीं। पुष्पोत्पादन के विकास की दिशा में हाल ही में अनेक सकारात्मक परिवर्तन देखे गए हैं। जो मुख्य-मुख्य परिवर्तन हुए हैं, उनमें से कुछ का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

1. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के अध्याय 6 के अन्तर्गत आने वाली सभी वस्तुओं पर आयात शुल्क दिनांक 1.3.1992 को अधिसूचना सं० 31/92 के तहत 55 रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इन उत्पादों में जीवित वृक्ष तथा अन्य वनस्पतियां कन्द एवं मूल एवं इनके जैसी वनस्पति कट फूल, तथा सजावटी पौधे शामिल हैं। दिनांक 28.9.88 की अधिसूचना सं० 265/88-सी० यू०एस० के अनुसार बुआई/रोपण के लिए बीज, ट्यूबर, कन्द, टहनियां अथवा पौदों को सम्पूर्ण सीमाशुल्क से छूट प्रदान की गई है।

2. पौध संगरोध प्रक्रियाओं को उल्लेखनीय रूप से सुव्यवस्थित तथा सरल बना दिया गया है, ताकि बीजों, वनस्पतियों, कन्दों तथा टहनियों आदि की आयात संबंधी निकासी तेजी से हो सके। उनके संवर्द्धन खेपों की निकासी अब 6 घंटे के भीतर तथा अन्य खेपों, जिनके लिए पी०ई०क्यू० की आवश्यकता होती है उनकी निकासी दो दिनों के भीतर कर दी जाती है।

3. फूलों के बीजों तथा किसी भी वनस्पति मूल की उतक संवर्द्धन सामग्री का आयात अब बिना किसी आयात परमिट के अनुमत्य है।

4. बीज विकास संबंधी मशीनरी, मृदा की तैयारी से संबंधित मशीनरी तथा ग्रीन हाऊसों के लिए विनिर्दिष्ट माल पर लगने वाले आयात शुल्क को घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है।

5. पुष्पोत्पादन में लगी यूनिटें, चाहे वे अपने उत्पादन का 50 प्रतिशत निर्यात भी करती हों, ई०ओ०यू०/ ई०पी०जेड० योजना के अन्तर्गत शुल्क मुक्त आयात का लाभ उठा सकती हैं। शेष 50 प्रतिशत वे घरेलू मंडी में बेच सकती है।

6. अन्तराष्ट्रीय विमानपत्तनों पर लदान के लिए प्रतीक्षित निर्यात खेपों के भण्डारण के लिए "वॉक इन" प्रकार के कोल्ड स्टोरेज स्थापित किए गए हैं। दिल्ली तथा मुम्बई में कोल्ड स्टोरेज का कार्य पहले ही प्रारम्भ किया जा चुका है। मद्रास, बंगलौर एवं त्रिवेन्द्रम में भी उनका कार्य शीघ्र ही शुरू हो जाएगा।

7. कटे फूलों तथा टिशू कल्चर पौधों के हवाई निर्यात के लिए सरकार द्वारा मालभाडे पर सब्सिडी दी गई है। यह यूरोप तथा अमरीका को निर्यात के लिए आई० ए० टी० ए० मालभाड़ा दर के अधिकतम 25 प्रतिशत अथवा 10 रुपये प्रति किलोग्राम तथा पश्चिमी एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया को निर्यात हेतु 6 रुपये प्रति किलोग्राम, जो भी कम हो, के अध्यधीन है।

8. बागवानी निर्यात (पुष्पोत्पादन सहित) के संबंध में मूल स्थान संबंधी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए अब पौध संरक्षण सलाहकार, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली पौध संगरोध एवं धूम्रीकरण केन्द्रों के प्रभारी अधिकारियों तथा विभिन्न राज्य सरकारों के कृषि एवं बागवानी निदेशकों एवं केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के कुछ अन्य संबंधित अधिकारियों को भारत सरकार द्वारा इस संबंध में प्राधिकृत किया गया है।

बेलाडीला में अप्रयुक्त लौह अयस्क

2023. **श्री अजीत सिंह जोगी:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बस्तर के बेलाडीला लौह अयस्क क्षेत्र में वर्षों से पड़े अप्रयुक्त लौह अयस्क की मात्रा कितनी है;

(ख) क्या इन क्षेत्रों से लोहा और इस्पात निकाल पाना अभी भी संभव है; और

(ग) यदि हां, तो इस दिशा में क्या-क्या कदम उठाये गये हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) खनन और प्रक्रमण के पश्चात उत्पादित लगभग 250 लाख टन अप्रयुक्त लौह अयस्क चूरा बैलाडिला क्षेत्र में एन०एम०डी०सी० की खानों में पड़ा हुआ है।

(ख) जी, हां। अप्रयुक्त लगभग 250 लाख टन चूरे में से 180 लाख टन चूरा सिन्टर में परिवर्तन करने के लिए तथा इस्पात संयंत्रों में लोहा एवं इस्पात निष्कर्षण के लिए प्रक्रमण हेतु प्रत्यक्ष रूप से उपयोग करने योग्य है।

शेष 70 लाख टन चूरा जिसकी क्वालिटी अच्छी नहीं है और इसमें लौहांश कम है, को उसके लौहांश में सुधार करने के लिए उनके सज्जीकरण के पश्चात तथा अशुद्धता कम करके उपयोग किया जा सकता है।

(ग) विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र के चालू होने के बाद विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र को सप्लाई करने के

लिए बैलाडिला खानों से प्राप्त हो रहे ताजा उत्पादन के साथ अच्छी क्वालिटी के चूरे के एक भाग को संमिश्रित किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त एन०एम०डी०सी० विशाखापट्टनम में स्थापित किए जाने वाले पैलेटाइजेशन प्लान्ट में पैलेटों में रूपान्तरित करने के लिए चूरे की सप्लाई करने हेतु मैसर्स इस्तर गुजरात लिमिटेड के साथ पहले ही करार कर चुका है।

Auction of Mahatma Gandhi's Copy of Bhagwat Gita in London

2024. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Mahatma Gandhi's copy of the Bhagwat Gita is being auctioned in London;

(b) if so, whether Government have sent a team to London to verify the auctioner's claims;

(c) if so, the facts and details thereof; and

(d) the steps Government propose to take to acquire Mahatma Gandhi's Bhagwat Gita?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) Yes, Sir. Mahatma Gandhi's copy of the Bhagwat Gita was auctioned in London on 9th November, 1995.

(b) to (d) The Government of India had advised its High Commission in London to take appropriate steps to procure the book. The High Commission has informed that the book had been purchased by Shri Manubhai Madhwani in the auction and that he had already handed it over to the High Commission for forwarding it to Government of India to be kept with other Gandhi papers in an appropriate Gandhi Museum or Archives.

Taking over of Durgapur unit of HFC

2025. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 5665 given in the Rajya Sabha on 12th May, 1995 and state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the report in the Telegraph dated 30th August, 1995 regarding the statement of M.D., KRIBHCO, on taking over of Durgapur Unit of HFC;

(b) whether KRIBHCO had conveyed its willingness with certain conditions for taking over of Durgapur Plant;

(c) the reaction of Government to the proposal by KRIBHCO;

(d) if the reports were wrong, whether any rejoinder was issued by KRIBHCO contradicting the Press Report; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI RAM LAKHAN SINGH YADAV): (a) Yes, Sir. A preliminary proposal had been made by Krishak Bharati Cooperative Limited (KRIBHCO) on 28.5.95 for taking over the Durgapur unit of Hindustan Fertiliser Corporation Ltd. (HFC).

(b) Yes, Sir.

(c) to (e) In view of the stringent conditions stipulated by KRIBHCO and its reluctance to provide funds for fresh investment, the proposal was not pursued further.

खनिजों के दोहन में घोटाला

2026. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राज्यों में खनिजों के दोहन में अनेक घोटाले हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और